

# **Vain Imaginations (Romans 1:21)**

## **1. When They Knew God**

1. "Because that":

---

---

---

2. "When They Knew God":

---

---

---

## **2. *Not As God***

1. "Not as God":

---

---

---

2. "They glorified":

---

---

---

3. "Neither were thankful":

---

---

---

---

## **3. *Became Vain***

1. "But":

---

---

2. "Became vain":

---

---

---

3. "In their imaginations":

---

---

---

#### 4. Darkened Heart

1. "And was darkened":

---

---

---

---

2. "Their foolish":

---

---

---

3. "Heart":

---

---

---

#### ***DOCTRINES:***

1. The very light of nature in man, & the works of God, declare plainly that there is a God; but his word & Spirit only do sufficiently & effectually reveal him unto men for their salvation:

---

---

---

2. All of us by nature are totally indisposed, disabled, and made opposite to all that is spiritually good, and are wholly inclined to all evil:

---

---

---

---

3. Knowledge of God must produce glorifying and thanking God as God:

---

---

---

4. Thanksgiving in all things is a mark of grace:

---

---

---

---

5. Human reasoning, apart from God's Word and Spirit, makes men vain:

---

---

6. Empty reasoning is a mark of God's wrath, revealed from heaven:

---

---

***DUTIES:***

1. Seek the Word and Spirit of God to illuminate the Word:

---

---

---

---

2. Reckon with your own depravity:

---

---

---

---

3. Avoid a vain faith, void of good works:

---

---

---

---

4. Give thanks in all things:

---

---

---

---

5. Beware of human reasoning:

---

---

---